अध्याय -1 | जनसंख्या : वितरण, घनत्व, वृद्धि और संघटन

Worksheet-1

बहुविकल्पी प्रश्न

1. भारत में सबसे अधिक लोगों द्वारा बोली जाने वाली भाषा है:-

(अ) बंगाली (ब) उड़िया
(स) हिंदी (द) अंग्रेजी

2. निम्नलिखित राज्यों में से किस एक में जनसंख्या का घनत्व सर्वाधिक हैं?

(अ) उत्तर प्रदेश (ब) पंजाब
(स) पश्चिम बंगाल (द) केरल

3. भारतीय संविधान में कितनी भाषाएँ अनुसूचित हैं?

(अ) 28 भाषाएँ (ब) 18 भाषाएँ
(स) 22 भाषाएँ (द) 24 भाषाएँ

4. निम्नलिखित में किस राज्य में जनसंख्या घनत्व न्यूनतम है?

(अ) उत्तराखंड (ब) अरूणाचल प्रदेश
(स) झारखंड (द) छत्तीसगढ़

5. युवाओं एवं किशोरों के विकास के लिए युवा नीति कब बनाई गई थी?

(अ) वर्ष 2003 में (ब) वर्ष 2006 में
(स) वर्ष 2000 में (द) वर्ष 2004 में

6. किस अवधि में जनसंख्या वृद्धि का ह्यस हुआ?

(अ) 1911 से 1921 तक (ब) 1921 से 1951 तक
(स) 1901 से 1911 तक (द) 1981 से 2001 तक

7. सन् 2011 की जनगणना के अनुसार निम्नलिखित में से किस राज्य में नगरीय जनसंख्या का अनुपात सर्वाधिक है?

(अ) केरल (ब) महाराष्ट्र
(स) तमिलनाडु (द) गोवा

8. विश्व की कुल जनसंख्या का कितना प्रतिशत भारत में निवास करती है?

(अ) 4.0 प्रतिशत (ब) 2.4 प्रतिशत
(स) 17.5 प्रतिशत (द) 12 प्रतिशत

9. निम्नतम जनसंख्या घनत्व पाया जाता है।

(अ) मिजोरम में (ब) उत्तराखंड में
(स) मेघालय में (द) हिमाचल प्रदेश में

मिशन ज्ञान
पढ़ें: जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

10. भारत में सबसे पहली जनगणना कब की गई?

(अ) 1872 में (ब) 1921 में

(स) 1772 में (द) 1901 में

रिक्त स्थान

11. 1951 में भारत की जनसंख्या वृद्धि दर ___________ थी।

12. 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की कुल जनसंख्या _________ थी।

सत्य/असत्य

13. 2011 की जनगणना के अनुसार भारत का जनसंख्या घनत्व 382 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी था।

14. 1921 को भारत की जनसंख्या वृद्धि दर सर्वाधिक थी।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. भारत में पहली संपूर्ण जनगणना किस वर्ष संपन्न हुई थी?

16. बड़ी जनसंख्या के आकार के बाद संसाधनों पर अत्यधिक दबाव से किस प्रकार की समस्याएँ उत्पन्न होती हैं?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. भारत में जनसंख्या वितरण का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

18. जनसंख्या वृद्धि के विविध प्रतिरूपों को कैसे बेहतर ढंग से समझा जा सकता है?

निबंधात्मक प्रश्न

19. जनसंख्या घनत्व किसे कहते हैं? भारत में जनसंख्या घनत्व के स्थानिक वितरण का वर्णन कीजिए।

20. भारत में जनसंख्या के वितरण को प्रभावित करने वाले किन्हीं पाँच कारणों को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

HOTS

21. भारत एक पंथनिरपेक्ष देश है। इस कथन की पुष्टि तर्कों द्वारा कीजिए।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

अध्याय -1 | जनसंख्या : वितरण, घनत्व, वृद्धि और संघटन

Worksheet-1

उत्तरमाला

1. **(स)** हिंदी
2. **(स)**
   पश्चिम बंगाल (2011 ई. की जनगणना के अनुसार बिहार का जनसंख्या घनत्व सर्वाधिक 1102 है)
3. **(स)** 22 भाषाएँ
4. **(ब)** अरूणाचल प्रदेश
5. **(अ)** वर्ष 2003 में
6. **(अ)** 1911 से 1921 तक।
7. **(स)** तमिलनाडु
8. **(स)** 17.5 प्रतिशत
   विश्व की कुल जनसंख्या का 17.5% भारत में निवास करती है।
9. **(अ)** मिजोरम में
10. **(अ)** 1872 में
11. 13.31%
12. 121 करोड़ (121.02 करोड़)
13. सत्य
14. असत्य
15. भारत की पहली संपूर्ण जनगणना 1881 ई. में तत्कालीन भारतीय वायसराय लॉर्ड रिपन के शासनकाल में संपन्न हुई थी।
16. जनसंख्या के अत्यधिक दबाव से सामाजिक व आर्थिक समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। इससे बेरोजगारी एवं निर्धनता की समस्या भी उत्पन्न हो जाती है।
17. भारत में जनसंख्या वितरण भौगोलिक, आर्थिक और सामाजिक कारकों के आधार पर असमान है। देश की जनसंख्या मुख्यतः शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में बटी हुई है। उत्तर और पश्चिमी भारत में जनसंख्या घनत्व अधिक है, जबकि पूर्व और दक्षिण में भी बड़ी जनसंख्या है। महानगरों जैसे मुंबई, दिल्ली, और कोलकाता में जनसंख्या घनत्व अत्यधिक है। कृषि, उद्योग और सेवा क्षेत्र के आधार पर विभिन्न क्षेत्रों में जनसंख्या का वितरण भिन्न होता है, जिससे विकास के अवसर भी प्रभावित होते हैं।
18. किसी भी क्षेत्र में जनसंख्या की वृद्धि वहाँ के जन्मदर, मृत्युदर तथा प्रवास पर निर्भर करती है। जन्मदर को प्रति वर्ष प्रति हजार जनसंख्या पर जीवित बच्चों की संख्या से गणना की जाती है। इसी प्रकार मृत्यु दर को किसी क्षेत्र में प्रति हजार व्यक्तियों में से प्रति वर्ष मरने वाले व्यक्तियों की संख्या से गणना की जाती है। साधारणतया विभिन्न सामाजिक, आर्थिक एवं जनसंख्या के आयुगत ढाँचे का प्रभाव जन्मदर पर पड़ता है। जनसंख्या वृद्धि के विविध प्रतिरूपों को बेहतर ढंग से समझने के लिए यह जरूरी हैं कि जनसंख्या के सामाजिक, सांस्कृतिक व धार्मिक संघटन (ताने-बाने) को ठीक ढंग से समझा जाए, जिसमें आयु व लिंग का विश्लेषण, निवास-स्थान, मानव जातीय लक्षण, जनजातियाँ, भाषा, धर्म, वैवाहिक स्थिति, साक्षरता व शिक्षा का स्तर तथा व्यवसायिक विशेषताओं के अध्ययन के अलावा ग्रामीण-नगरीय संघटन की जानकारी होना जरूरी है। भारत की 68.84% जनसंख्या लगभग 6,40,867 गाँवों में तथा शेष 31.16% जनसंख्या 7,935 नगरों में रहती हैं। ग्रामीण व नगरीय जनसंख्या के वितरण में प्रांतीय भिन्नता दृष्टिगोचर होती है। हिमाचल प्रदेश की 89.96% जनसंख्या ग्रामीण है जो कि देश में सर्वाधिक हैं। इसके बाद क्रमश: बिहार में 88.70%, असम में 85.92% तथा ओड़िशा में 83.32% जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है। दादर और नगर हवेली के अलावा सभी केन्द्रशासित प्रदेशों में ग्रामीण जनसंख्या का अनुपात कम है। भारत में नगरीय जनसंख्या का अनुपात धीरे-धीरे बढ़ रहा है।

19. **जनसंख्या घनत्व** किसी विशेष भौगोलिक क्षेत्र में जनसंख्या की संख्या को उस क्षेत्र के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल से विभाजित करके मापा जाता है। इसे प्रति वर्ग किलोमीटर या प्रति वर्ग मील में व्यक्त किया जाता है। भारत में जनसंख्या घनत्व का स्थानिक वितरण अत्यधिक असमान है। 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत का औसत जनसंख्या घनत्व लगभग 382 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है।

उत्तर भारत में, जैसे उत्तर प्रदेश, बिहार और दिल्ली में जनसंख्या घनत्व बहुत अधिक है। उदाहरण के लिए, दिल्ली का घनत्व 11,300 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है। **पूर्वी भारत** में भी, जैसे पश्चिम बंगाल में, घनत्व काफी अधिक है। वहीं, **पश्चिमी और दक्षिणी भारत** में, जैसे गुजरात और तमिलनाडु, जनसंख्या घनत्व मध्यम है। **उत्तर-पूर्वी भारत** में, जैसे अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड, जनसंख्या घनत्व अपेक्षाकृत कम है, मुख्यतः भौगोलिक कठिनाइयों और विकास के अभाव के कारण। इस प्रकार, भारत में जनसंख्या घनत्व का वितरण विभिन्न सामाजिक, आर्थिक, और भौगोलिक कारकों से प्रभावित होता है, जिससे देश के विभिन्न क्षेत्रों में जनसंख्या की सांस्कृतिक और आर्थिक विविधता भी दर्शाई जाती है।

20. भारत में जनसंख्या के वितरण को प्रभावित करने वाले कई कारक हैं। इनमें से प्रमुख पाँच कारक निम्नलिखित हैं:

i. **भौगोलिक कारक:** भौगोलिक विशेषताएँ, जैसे पर्वत, नदियाँ, और जलवायु, जनसंख्या वितरण को प्रभावित करती हैं। उदाहरण के लिए, गंगा-यमुना घाटी एक उपजाऊ क्षेत्र है, जहाँ जनसंख्या घनत्व अधिक है, जबकि थार मरुस्थल में जनसंख्या कम है।

ii. **आर्थिक अवसर:** आर्थिक विकास और रोजगार के अवसर भी जनसंख्या वितरण को प्रभावित करते हैं। मुम्बई, जो भारत का वाणिज्यिक केंद्र है, में उच्च जनसंख्या घनत्व है, जबकि कुछ ग्रामीण क्षेत्र रोजगार के अभाव में कम जनसंख्या वाले होते हैं।

iii. **सामाजिक कारक:** जाति, धर्म, और संस्कृति भी जनसंख्या वितरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उदाहरण के लिए, कुछ क्षेत्रों में विशेष जातियों का वर्चस्व होता है, जैसे पंजाब में सिख समुदाय।

iv. **सामाजिक-आर्थिक स्थिति:** शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता भी जनसंख्या वितरण को प्रभावित करती है। उच्च शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएँ वाले क्षेत्रों में जनसंख्या अधिक होती है।

v. **राजनीतिक कारक:** शासन और नीतियों का प्रभाव भी जनसंख्या वितरण में देखने को मिलता है।

इन कारकों के आधार पर भारत में जनसंख्या का वितरण विभिन्न स्थानों पर भिन्नता दर्शाता है।

21. भारतीय संविधान द्वारा भारत पंथनिरपेक्ष राज्य घोषित किया गया है। भारतीय संविधान की पूर्वपीठिका में 'सेक्युलर' शब्द 42वें संविधान संसोधन द्वारा सन 1976 में जोड़ा गया। किन्तु ऐतिहासिक रूप से भारत में 'सर्वधर्म समन्वय' और वैचारिक एवं दार्शनिक स्वतंत्रता अनादी काल से चली आ रही है। भारत अनेक सांस्कृतियों, धार्मिक मान्यताओं व सामाजिक विविधताओं वाला देश है। यहाँ पर निवास करने वाले लोग किसी-न-किसी धर्म के अनुयायी हैं। देश की कुल जनसंख्या का 80.5% हिंदू धर्म को मानते हैं। 13.5% आबादी मुस्लिम हैं, 2.3% ईसाई हैं, 1.9% सिक्ख, 0.9% बौद्ध, 0.4% जैन तथा 0.6% अन्य हैं, जैसे-पारसी (जरतुश्त), यहूदी आदि हैं।

- भारत का सबसे बड़ा अल्पसंख्यक धार्मिक समूह मुस्लिमों का है जो कि जम्मू और कश्मीर, पश्चिमी बंगाल और केरल के कुछ जिलों, उत्तर प्रदेश के अनेक जिलों दिल्ली व उसके आस-पास और लक्षद्वीप में संकेंद्रित है।
- ईसाई जनसंख्या अधिकांशतः पश्चिमी तट के साथ गोवा एवं केरल के अलावा मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, मणिपुर की पहाड़ियों में तथा छोटानागपुर के आस-पास संकेन्द्रित है। यह आबादी अधिकांशतः देश के ग्रामीण क्षेत्रों में वितरित हैं।
- सिक्ख पंजाब, हरियाणा व दिल्ली में, जैन मतावलंबी राजस्थान, गुजरात व महाराष्ट्र में तथा बौद्ध महाराष्ट्र, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, जम्मू और कश्मीर का लद्दाख क्षेत्र तथा हिमाचल प्रदेश के लाहुल व स्पिति क्षेत्र में संकेन्द्रित हैं।